ई-कंटेंट

प्रस्तुतकर्ता- डॉ दीपिका दूबे

सर्टिफिकेट कोर्स (सेमेस्टर 1)

विषय- हिन्दी

कोर्स कोड- A010101T

पाठ्यक्रम का नाम- हिन्दी काव्य

इकाई- 1

शीर्षक- आदिकाल का नामकरण

विषय प्रवेश - आदिकाल और नामकरण की समस्या

- **भूमिका:** हिन्दी साहित्य के प्रथम कालखण्ड (लगभग 1000 ई. से 1375 ई. तक) के नामकरण को लेकर साहित्य इतिहासकारों में काफी मतभेद रहा है।
- **समस्या का कारण:** इस युग में एक साथ कई प्रकार की साहित्यिक धाराएँ (सिद्ध, नाथ, जैन, रासो/वीरगाथा, अमीर खुसरो व विद्यापति की लौकिक कविताएँ) दिखाई देती हैं।
- **प्रमुख प्रश्न:** क्या इस काल को केवल 'वीरगाथा' कहा जाए या 'सिद्ध-सामंत', 'आरंभिक काल' या' आदिकाल' ?

प्रमुख इतिहासकारों द्वारा दिए गए नाम (तुलनात्मक तालिका)

विद्वान / इतिहासकार	नामकरण	नामकरण का आधार
आचार्य रामचंद्र शुक्ल	वीरगाथा काल	12 प्रसिद्ध रासो ग्रंथों में वर्णित वीरता की प्रधानता
आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी।	आदिकाल	साहित्य की दिशा तय करने वाला आरंभिक/प्रारंभिक काल
डॉ. रामकुमार वर्मा	संधि काल एवं चारण काल	अपभ्रंश-हिन्दी का संधि स्थल एवं चारण कवियों की रचनाएं
राहुल सांकृत्यायन	सिद्ध सामंत	सिद्धों की वाणी और सामंती आश्रयदाताओं की प्रशंसा
महावीर प्रसाद द्विवेदी	बीजवपन काल	हिन्दी साहित्य के नए भाव बीजों के बोए जाने का समय

जॉर्ज ग्रियर्सन	चारण काल	इस काल में चारण/भाट कवियों द्वारा रचित साहित्य

प्रमुख नामों की समीक्षा और सीमाएँ

वीरगाथा काल (शुक्ल जी का मत):

सीमा: जिन 12 ग्रंथों के आधार पर यह नाम रखा गया, उनमें से कई (जैसे पृथ्वीराज रासो) की प्रामाणिकता संदिग्ध मानी गई। साथ ही सिद्ध, नाथ और धार्मिक साहित्य छूट जाता है।

सिद्ध-सामंत काल (राहुल जी का मत):

सीमा: यह नाम केवल सिद्धों और सामंतों तक सीमित रहता है; नाथों, जैन मुनियों और अमीर खुसरो जैसे लौकिक साहित्यकारों की उपेक्षा करता है।

चारण काल / बीजवपन काल:

सीमा: अत्यधिक संकुचित नाम हैं जो केवल एक वर्ग विशेष या प्रारंभिक अवस्था को ही दर्शाते हैं।

आदिकाल' नाम की सार्थकता

प्रस्तावक: आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी

सार्थकता के कारण:

- यह नाम किसी एक विशेष प्रवृत्ति या विचारधारा से बंधा हुआ नहीं है।
- इसमें सिद्ध, नाथ, जैन, रासो और लौकिक–सभी प्रकार के साहित्य का समावेश हो जाता है।
- यह 'आदि' (आरंभ) का सूचक है, जिससे स्पष्ट होता है कि यहीं से हिन्दी साहित्य की परंपरा का प्रारंभ होता है।

सर्वमान्य निष्कर्ष: हिन्दी साहित्य के प्रथम कालखण्ड के लिए 'आदिकाल' नाम ही सर्वाधिक उपयुक्त, व्यापक और सर्वस्वीकृत माना गया है।

संदर्भ ग्रंथ:

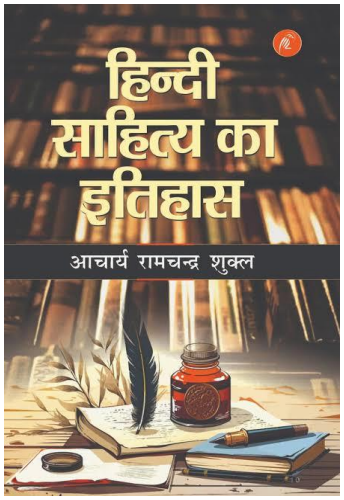

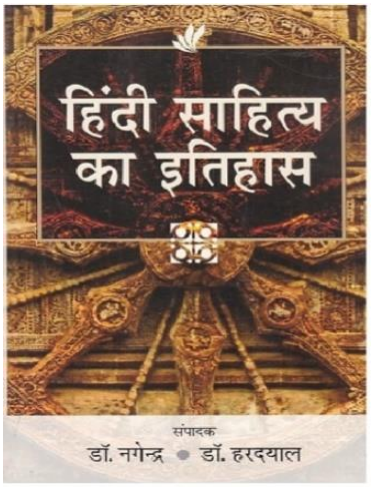

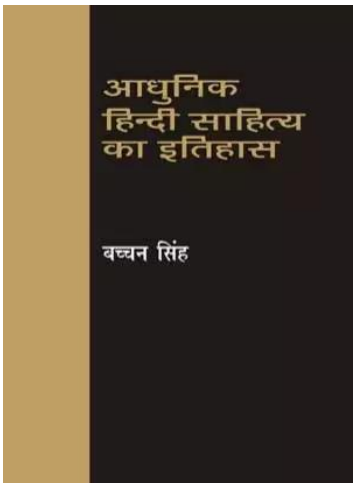

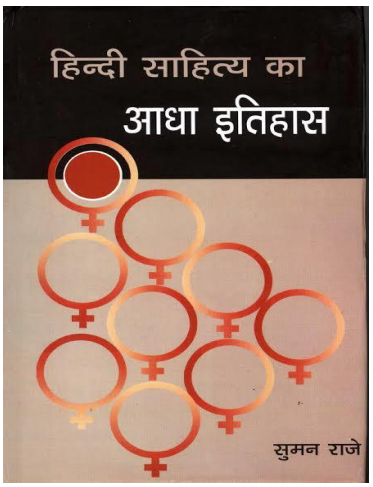

प्रश्नोत्तरी:

आचार्य रामचंद्र शुक्ल ने आदिकाल को क्या नाम दिया था?

(क) आदिकाल

(ख) वीरगाथा काल

(ग) सिद्ध-सामंत काल

(घ) चारण काल

उत्तर: (ख) वीरगाथा काल

आदिकाल को 'सिद्ध-सामंत काल' किस विद्वान ने कहा है?

(क) राहुल सांकृत्यायन

(ख) डॉ. रामकुमार वर्मा

(ग) हजारीप्रसाद द्विवेदी

(घ) महावीर प्रसाद द्विवेदी

उत्तर: (क) राहुल सांकृत्यायन

बीजवपन काल' नामकरण किस साहित्यकार ने किया?

(क) महावीर प्रसाद द्विवेदी

(ख) रामकुमार वर्मा

(ग) चंद्रधर शर्मा 'गुलेरी'

(घ) गणपतिचंद्र गुप्त

उत्तर: (क) महावीर प्रसाद द्विवेदी